कहानी

चिंटू और शिकारी का जाल

कहानी में चिरैया और उसका झुंड एक शिकारी के जाल में फँस जाता है. चिरैया अपनी एकता की ताकत से जाल को हवा में उठाकर अपने दोस्त चिंटू चूहे के पास पहुँचती है. चिंटू जाल काटकर उन्हें आज़ाद करता है. यह कहानी हमें सिखाती है कि एकता और दोस्ती की ताकत से हर मुश्किल को पार किया जा सकता है.

कई साल पहले की बात है, एक हरे-भरे जंगल के पास एक छोटा सा खेत था. उस जंगल में चिरैया

नाम की एक गौरैया अपने झुंड के साथ रहती थी. चिरैया और उसका झुंड हर दिन सुबह-सुबह भोजन की तलाश में निकलता था. एक दिन, जब वे आसमान में उड़ रहे थे, उनकी नज़र खेत में बिखरे अनाज पर पड़ी. चिरैया ने अपने झुंड से कहा, देखो, वहाँ खेत में ढेर सारा अनाज बिखरा है! चलो, आज वहीं चलते हैं और पेट भरकर खाते हैं.

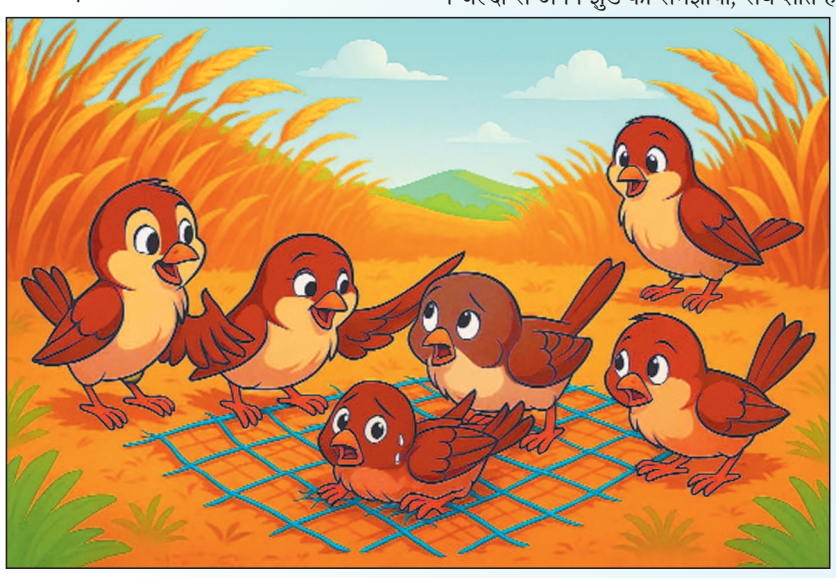

सभी गौरैयाँ खुशी-खुशी खेत में उतर गईं. उन्होंने जमकर अनाज खाया और एक-दूसरे से मज़े में बातें करने लगीं. एक छोटी गौरैया ने कहा, चिरैया दीदी, यहाँ तो बहुत सारा खाना है! हमें रोज़ यहाँ आना चाहिए. लेकिन जैसे ही वे उड़ने के लिए तैयार हुईं, उन्हें एहसास हुआ कि उनके पंजे एक चिपचिपे जाल में फँस गए हैं. यह जाल एक शिकारी ने बिछाया था ताकि गौरैयों को पकड़ा जा सके.

गौरैयाँ डर गईं और अपने पंख फड़फड़ाकर जाल से निकलने की कोशिश करने लगीं. तभी चिरैया ने दूर से शिकारी को उनकी ओर आते देखा. वह एक बड़ा सा डंडा लिए चला आ रहा था. चिरैया ने जल्दी से अपने झुंड को समझाया, सब शांत हो जाओ! जितना तुम अलग-अलग छटपटाओगे, उतना ही जाल में उलझते जाओगे. मेरी बात सुनो, हमें एक साथ काम करना होगा.

एक छोटी गौरैया ने डरते हुए कहा, लेकिन चिरैया दीदी, अब हम क्या करें? शिकारी तो पास आ रहा है! चिरैया ने हिम्मत बँधाते हुए कहा, घबराओ मत! हम सब एक साथ उड़ेंगे और जाल को भी अपने साथ ले जाएँगे. मेरा एक दोस्त है, चिंटू चूहा. वह जंगल में एक पेड़ के नीचे रहता है. वह हमारी मदद करेगा.

एकता की ताकत - चिरैया की बात सुनकर सारी गौरैयाँ तैयार हो गईं. चिरैया ने कहा, सब तैयार हो जाओ. एक... दो... तीन... उड़ो! सभी गौरैयाँ एक साथ पंख फड़फड़ाकर उड़ने लगीं. उनकी एकता इतनी मज़बूत थी कि वे जाल को भी अपने साथ हवा में ले गईं. शिकारी यह देखकर हैरान रह गया. उसने चिल्लाकर कहा, अरे, ये गौरैयाँ तो जाल समेत भाग रही हैं! रुको, रुको! लेकिन गौरैयाँ तेज़ी से जंगल की ओर उड़ गईं.

जंगल में एक पुराने बरगद के पेड़ के नीचे चिंटू चूहा रहता था. चिरैया और चिंटू की दोस्ती बहुत पुरानी थी. चिरैया ने अपने झुंड से कहा, उस बरगद के पेड़ की ओर उड़ो. वहाँ मेरा दोस्त चिंटू रहता है. जैसे ही वे पेड़ के पास पहुँचीं, सारी गौरैयाँ एक साथ चिल्लाईं, चिंटू! चिंटू! हमारी मदद करो! हम मुसीबत में हैं!

चिंटू अपनी छोटी सी बिल से बाहर निकला. उसने देखा कि उसकी दोस्त चिरैया और उसका झुंड एक जाल में फँसा हुआ है. चिंटू ने तुरंत कहा, चिरैया, डरो मत! मैं अभी तुम्हें आज़ाद कर देता हूँ. चिंटू ने अपनी तेज़ नन्ही दाँतों से जाल को काटना शुरू कर दिया. कुछ ही देर में उसने सारा जाल काट दिया, और सारी गौरैयाँ आज़ाद हो गईं.

दोस्ती का शुक्रिया- चिरैया ने खुशी से अपने पंख फड़फड़ाए और चिंटू से कहा, चिंटू, तूने आज हमारी जान बचा ली! मैं और मेरा पूरा झुंड तेरे बहुत-बहुत शुक्रगुज़ार हैं. बाकी गौरैयाँ भी चहचहाकर चिंटू को धन्यवाद देने लगीं. एक छोटी गौरैया ने कहा, चिंटू भैया, तुम बहुत अच्छे हो! हम तुम्हें कभी नहीं भूलेंगे.

चिंटू ने शरमाते हुए कहा, अरे, इसमें धन्यवाद की क्या बात है? दोस्त तो एक-दूसरे की मदद के लिए ही होते हैं. लेकिन हाँ, तुम सब अब सावधान रहना. ऐसे अनजान खेतों में मत जाना. चिरैया ने हँसते हुए कहा, हाँ-हाँ, अब हम बहुत सावधान रहेंगे. और चिंटू, तुझसे मिलने अब हम रोज़ यहाँ आएँगे.

सभी गौरैयाँ अपने घर की ओर उड़ गईं. उस दिन के बाद, वे कभी भी किसी अनजान जगह पर बिना सोचे-समझे नहीं गईं. और चिरैया व चिंटू की दोस्ती और भी गहरी हो गई.

एक नई सैर- कुछ दिनों बाद, चिरैया ने अपने झुंड को एक नई जगह ले जाने का फैसला किया. उसने चिंटू से कहा, चिंटू, हम जंगल के दूसरी तरफ एक नया खेत देखने जा रहे हैं. वहाँ कोई शिकारी नहीं है, लेकिन हम एक साथ रहेंगे और सावधानी बरतेंगे. तू हमारे साथ चलेगा? चिंटू ने खुशी से कहा, हाँ, चिरैया! मैं चलूँगा. मुझे भी नई जगह देखनी है. चिरैया, चिंटू, और सारा झुंड उस नए खेत की ओर निकल पड़े. वहाँ उन्होंने ढेर सारा अनाज खाया और सुरक्षित रूप से वापस लौट आए. इस बार उन्होंने एकता और सावधानी का पूरा ध्यान रखा.

सीख

बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता में बहुत ताकत होती है. चिरैया और उसके झुंड ने एक साथ मिलकर मुसीबत से बाहर निकलने का रास्ता ढूँढा. साथ ही, हमें अपने दोस्तों की मदद लेने से नहीं हिचकना चाहिए. मुश्किल वक्त में हिम्मत और समझदारी से काम लेना चाहिए, न कि हार मान लेना चाहिए.

बिंदु मिलाओ

रंग भरो

शुतुरमुर्ग के बारे में रोचक तथ्य

पक्षियों की दुनिया में शुतुरमुर्ग को सबसे बड़े पक्षी का खिताब प्राप्त है. यह पक्षी अपनी विशाल कद-काठी, तेज दौड़ने की क्षमता और विशिष्ट शारीरिक बनावट के कारण अन्य पक्षियों से अलग पहचाना जाता है.

शुतुरमुर्ग का वैज्ञानिक नाम स्ह्लह्लद्धश ष्ड्डद्दद्वद्गह्य है और यह स्ह्लह्लद्धशठ्ठद्बस्रड्डद्ग परिवार का सदस्य है. यह मुख्य रूप से अफ्रीका के जंगलों और रेगिस्तानी इलाकों में पाया जाता है. शुतुरमुर्ग उड़ने में सक्षम नहीं होता.

शुतुरमुर्ग लगभग 2.7 मीटर (9 फीट) तक ऊंचा हो सकता है. यह पक्षी 150 किलोग्राम तक भारी हो सकता है, जो इसे दुनिया का सबसे भारी पक्षी बनाता है. यह पक्षी 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से दौड़ सकता है, जो इसे धरती का सबसे तेज़ दौड़ने वाला पक्षी बनाता है.

शुतुरमुर्ग के पंख बड़े होते हैं लेकिन उड़ने में असमर्थ होते हैं. यह अपने पंखों का उपयोग संतुलन बनाए रखने और दौड़ते समय दिशा बदलने के लिए करता है. इसकी आंखें इसके दिमाग से बड़ी होती हैं, जिससे यह दूर तक देख सकता है

शुतुरमुर्ग मुख्य रूप से अफ्रीका के खुले घास के मैदानों, रेगिस्तानों और सूखे जंगलों में पाया जाता है. यह गर्म जलवायु में आसानी से जीवित रह सकता है और कम पानी में भी अपने शरीर की जरूरतें पूरी कर सकता है.

शुतुरमुर्ग सर्वाहारी होता है. यह पौधे, फल, बीज, कीड़े और छोटे जीव-जंतु भी खा सकता है. इसकी लंबी गर्दन और तेज नजर इसे शिकारियों से सतर्क रहने में मदद करती है. शुतुरमुर्ग का दिल किसी भी पक्षी के मुकाबले सबसे बड़ा होता है. शुतुरमुर्ग का प्रजनन काल गर्मियों में होता है. मादा शुतुरमुर्ग एक बार में 10 से 12 बड़े अंडे देती है.

जानकारी

लाल या हरा नहीं, नीला ही क्यों दिखता है आसमान?

आसमान शब्द सुनते ही आंखों के सामने एक नीले रंग की चादर आ जाती है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आसमान का रंग नीला ही क्यों है और जब स्पेस से सब काला नजर आता है, तो धरती से आकाश नीला क्यों दिखाई देता है?

सूरज की रोशनी और रंग- सूरज की रोशनी सफेद दिखाई देती है, लेकिन असल में यह सात रंगों (बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल) से मिलकर बनी होती है, जिसे हम स्पेक्ट्रम कहते हैं. जब यह रोशनी धरती के वायुमंडल में प्रवेश करती है, तो हवा के अणुओं और धूल के कणों से टकराता है, जिसके कारण लाइट स्कैटर होती है.

रेले का स्कैटरिंग लॉ - आसमान के नीले रंग का मुख्य कारण रेले का स्कैटरिंग लॉ है. इस लॉ के अनुसार, रोशनी के अलग-अलग रंगों की स्कैटरिंग उनकी वेवलेंथ पर निर्भर करती है. छोटी वेवलेंथ वाले रंग (जैसे नीला और बैंगनी) ज्यादा स्कैटर होते हैं, जबकि लंबी वेवलेंथ वाले रंग (जैसे लाल और पीला) कम स्कैटर होते हैं.

क्योंकि नीले रंग की वेवलेंथ (लगभग 450495 नैनोमीटर) बहुत छोटी होती है, यह वायुमंडल में मौजूद नाइट्रोजन और ऑक्सीजन के अणुओं से टकराकर सभी दिशाओं में फैल जाती हैं. इसी कारण हमें आसमान नीला दिखाई देता है.

बैंगनी रंग की बजाय नीला क्यों?- एक सवाल यह उठता है कि बैंगनी रंग की वेवलेंथ नीले से भी कम होती है, फिर आसमान बैंगनी क्यों नहीं दिखता? इसका कारण यह है कि-

इंसानी आंखें नीले रंग के प्रति ज्यादा संवेदनशील होती हैं, जबकि बैंगनी रंग को कम देख पाती हैं. इसलिए, बैंगनी रंग की ज्यादा स्कैटरिंग के बावजूद हमें आसमान नीला ही दिखाई देता है.

सनराइज और सनसेट के समय सूरजकी किरणों को वायुमंडल में ज्यादा दूरी तय करनी पड़ती है. इस दौरान नीली और छोटी वेवलेंथ की रोशनी पहले ही स्कैटर हो जाती है और केवल लंबी वेवलेंथ वाले रंग हमारी आंखों तक पहुंच पाते हैं.

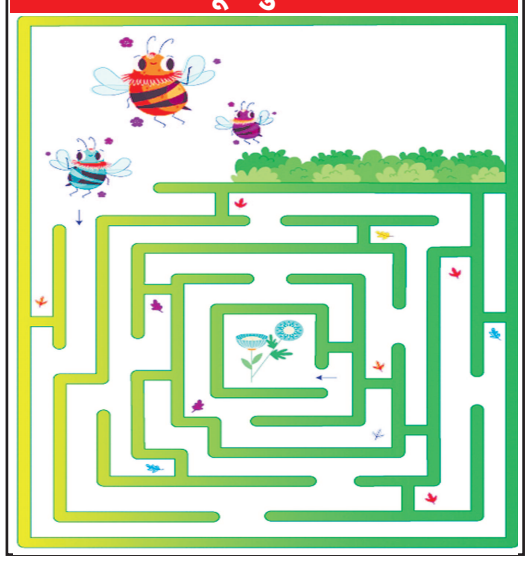

भूल भुलैया

प्रेरक प्रसंग

जैक मा

चीन के एक गरीब परिवार में जन्मे जैक मा ने बतौर अंग्रेजी शिक्षक अपने करियर की शुरुआत की थी. उन्हें 30 नौकरियों से हटाया जा चुका है परन्तु कंप्यूटिंग से कोई पुराना वास्ता नहीं होने के बावजूद भी जैक मा ने अपने अपार्टमेंट में ही अलीबाबा की नींव रखी. फॉर्ब्स की 2017 की सूची के अनुसार, जैक मा चीन के तीसरे सबसे धनी व्यक्ति हैं. फॉर्ब्स में उनकी दौलत 36.6 अरब डॉलर बताई गई थी और 420 अरब डॉलर की कंपनी अलीबाबा में जैक मा की लगभग नौ प्रतिशत हिस्सेदारी है.ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे जैसे शॉपिंग इवेंट के जरिए जैक मा ने अमरीका में भी अपनी धाक जमाई.

जैक मा ने दस साल पहले अपने वारिस के बारे में सोचना शुरु किया था. साल 2013 में उन्होंने बोर्ड अध्यक्ष बनने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी की कुर्सी छोड़ी. उन्होंने इसके बाद जैक मा फाउंडेशन के जरिए चीन के ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए काम शुरू किया. अलीबाबा के संस्थापक साझेदार की भूमिका में रहते हुए जैक मा अब शिक्षा की ओर लौटना चाहते हैं. इस सिलसिले में उन्होंने ब्लूमबर्ग को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि कई चीजें हैं, जिन्हें वो बिल गेट्स से सीख सकते हैं.

पिछले साल जनवरी में जैक मा ने कहा था कि न्यूयॉर्क में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ उनकी मुलाक़ात बहुत अच्छी रही थी. मुलाक़ात के बाद जैक मा ने कहा था कि ट्रंप और वो दोनों सहमत हुए कि अमरीका-चीन संबंध मजबूत, अधिक दोस्ताना और बेहतर होने चाहिए. तब ट्रंप ने जैक मा की ये कहते हुए तारीफ़ की थी कि वो एक महान उद्यमी हैं जो चीन और अमरीका दोनों से प्यार करते हैं. लेकिन जैक मा ऐसे समय कुर्सी छोड़ रहे हैं जब चीन के निर्माता और कारोबार, अमरीका के साथ ट्रेड वॉर की वजह से कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं.

कविता

एकता

आती हैं वर्षा की बूँदें,
अलग-अलग, पर वे सब मिलकर
भर देती हैं ताल-तलैया,
बहती धार नदी की बनकर.
पेड़-पेड़, पत्ते-पत्ते को
जी भर-भर नहला देती हैं,
गर्मी की मारी धरती का
हरा-भरा मन कर देती हैं.
लेकिन कभी-कभी मिलकर वे
रूप बाढ़ का भी ले जातीं,
बस्ती की बस्तियाँ डुबोकर
अपने संग बहा ले जातीं.
बल है बहुत एकता में वह,
हित-अनहित दोनों कर सकती.
किंतु एकता वही भली, जो
सबके हित का साधन बनती.

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

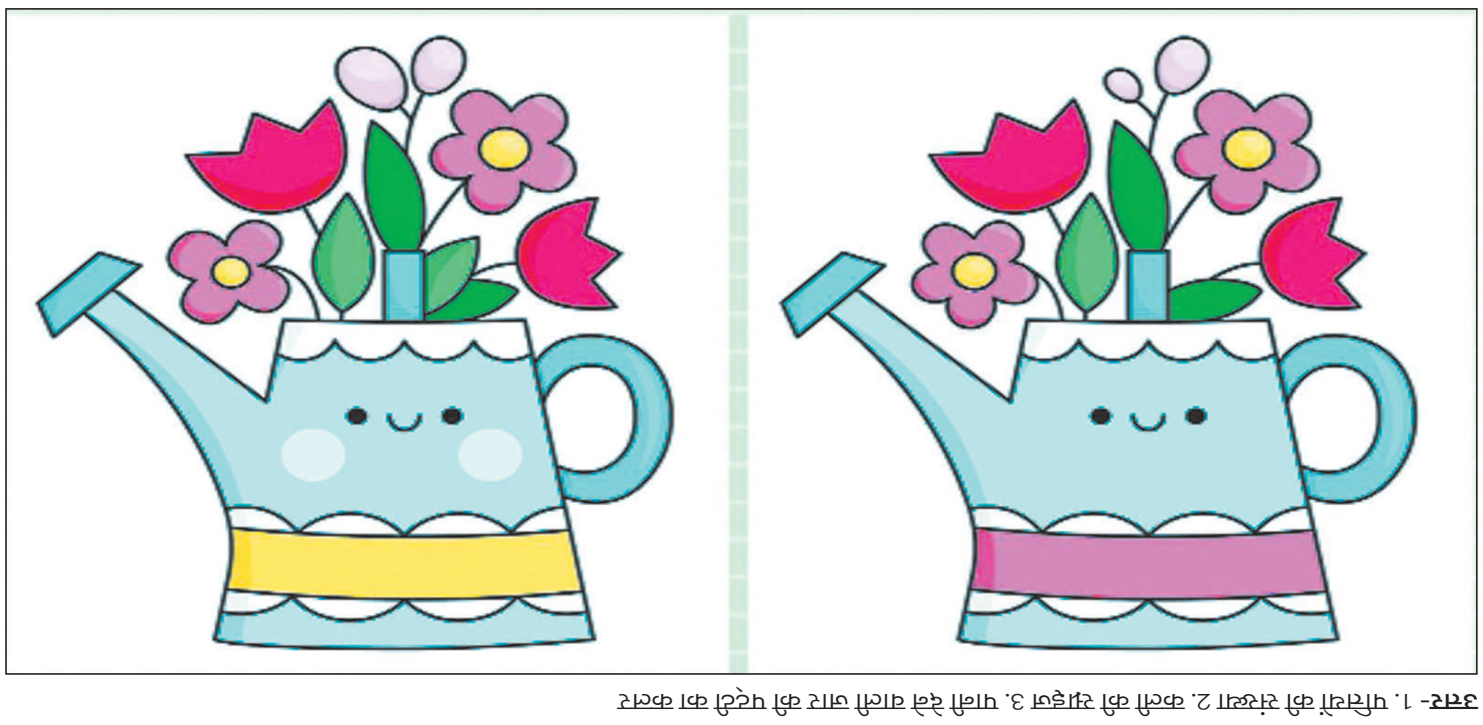

उत्तर- 1. पत्तियों की संख्या 2. कली की संख्या 3. पानी देने वाली जार की पट्टी का कलर

बूझो तो जानें

- न हो बीमार फिर भी खाए गोली. जब ये चले तो सब डर जाएँ, सुन कर इसकी बोली.
  उत्तर - बंदूक
- हूँ मैं ऐसा अंधेरा, जो रोशनी से बने.
  उत्तर - परछाई
- मुझे तुम छू नहीं सकते, पर देख सकते हो. बूझो कौन हूँ मैं?
  उत्तर -सपना
- जिसने भी मुझे काटा मारा ङ्क फिर वो रोया खूब बेचारा
  उत्तर- प्याज
- हरी ज़मीन पर लाल मकान- तौबा - तौबा करे इंसान.
  उत्तर- मिर्च
- मेरी पीठ पर जो बैठेगा, मेरे साथ हवा में उड़ेगा.
  उत्तर- हवाई जहाज
- गोल-गोल घुमाओ तो बढ़ जाऊँ, इस्तेमाल करो तो घिस जाऊँ.
  उत्तर- पेंसिल

हंसी-ठिठोली

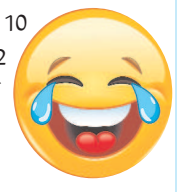

- टीचर - एक टोकरी में 10 आम है , उसमें से 2 आम सड़ गए , बताओ कितने आम बचे ?
  संजू - सर , 10 आम
  टीचर - वो कैसे ?
  संजू - सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले थोड़ी बन जायेंगे..
  आज संजू एक वकील है...
- संता बंता से ये बच्चा तुम्हारा क्या लगता है?
  बंता: ये दूर का मेरा भाई है..
  संता दूर का भाई मतलब मैं नहीं समझा
  बंता मतलब हम दोनों के बीच में 8 बहनें हैं.
- टीचर संता से- ये बताओं तुम इतिहास पुरूष में सब से ज्यादा किससे नफरत करते हो ?
  संता- राजा राम मोहन राय से
  टीचर- क्यों ..?
  संता- उसी नें बाल विवाह बंद करवाया था, वरना आज हम भी बीवी बच्चे वाले होते..

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com पर मेल करें.